

भारत का पहला डजिटल नोमाड गाँव

स्रोत: द हिंदू

सकिकमि के पाकयोंग ज़िले का याकतेन गाँव आधिकारिक रूप से भारत का पहला डजिटल नोमैड गाँव घोषित किया गया है। यह घोषणा 'नोमैड सकिकमि' पहल के तहत की गई है।

- याकतेन नोमैड गाँव के बारे में: यह हिमालयी राज्य में स्थायी पर्यटन, दूरस्थ कार्य के अवसरों और ज़मीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दृष्टि में एक कदम है।
 - यह स्थानीय उद्यमिता और युवा नवाचार को बढ़ावा देने के लिये सकिकमि के मुख्यमंत्री की "एक परिवार, एक उद्यमी" पहल के अनुरूप है।
- उद्देश्य: इसका उद्देश्य सकिकमि में रणनीतिक स्थानों को भारत और वदेशों में डजिटल पेशेवरों के लिये वर्ष भर के केंद्रों में बदलना है, साथ ही पर्यटन ऑफ-सीजन के दौरान होमस्टे मालिकों हेतु स्थायी आय के अवसर सुनिश्चित करना है, जो छह महीने तक चल सकता है।
 - यह उच्च गतिवाइ-फाई, पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं और शून्य अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली प्रदान करता है।
- नोमैड सकिकमि पहल के बारे में: यह पाकयोंग ज़िला प्रशासन और सर्वहर्ती NGO की एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य दूरस्थ कार्य और शांतपूर्ण जीवन का मशिरा चाहने वाले पेशेवरों के लिये एक डजिटल नोमैड हब बनाना है।
 - डजिटल नोमैड वह व्यक्ति होता है जो तकनीक का उपयोग करके दूरस्थ (रिमोट) तरीके से काम करता है और ऑनलाइन कमाई करता है, जबकि वह अपनी पसंद के विभिन्न स्थानों पर घूमते हुए जीवन व्यतीत करता है।
- सकिकमि राज्य को भारत का पहला पूर्ण रूप से जैविक (ऑर्गेनिक) राज्य (2016) होने का गौरव प्राप्त है। यह देश का पहला राज्य है जिसने जैविक मत्स्य पालन (ऑर्गेनिक एक्वाकल्चर) की शुरुआत की, और वर्ष 2016 में 100% खुले में शौच मुक्त (ODF) का दर्जा प्राप्त करने वाला पहला राज्य भी बना।

और पढ़ें: सकिकमि में भारत का प्रथम जैविक मत्स्य पालन क्लस्टर